Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 3

Deities: Ashvins, Indra, Vishvedevas, Sarasvati

Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 3 in Sanskrit

अश्विना यज्वरीरिषो दरवत्पाणी शुभस पती । पुरुभुजा चनस्यतम ॥

अश्विना पुरुदंससा नरा शवीरया धिया । धिष्ण्या वनतं गिरः ॥

दस्रा युवाकवः सुता नासत्या वक्र्तबर्हिषः । आ यातं रुद्रवर्तनी ॥

इन्द्रा याहि चित्रभानो सुता इमे तवायवः । अण्वीभिस्तना पूतासः ॥

इन्द्रा याहि धियेषितो विप्रजूतः सुतावतः । उप ब्रह्माणि वाघतः ॥

इन्द्रा याहि तूतुजान उप ब्रह्माणि हरिवः । सुते दधिष्व अनश्चनः ॥

ओमासश्चर्षणीधृतो विश्वे देवास आ गत । दाश्वांसो दाशुषः सुतम् ॥

विश्वे देवासो अप्तुरः सुतमा गन्त तूर्णयः । उस्रा इव स्वसराणि ॥

विश्वे देवासो अस्रिध एहिमायासो अद्रुहः । मेधं जुषन्त वह्नयः ॥

पावका नः सरस्वती वाजेभिर्वाजिनीवती । यज्ञं वष्टु धियावसुः ॥

चोदयित्री सूनृतानां चेतन्ती सुमतीनाम् । यज्ञं दधे सरस्वती ॥

महो अर्णः सरस्वती प्र चेतयति केतुना । धियो विश्वा वि राजति ॥

Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 3 in English

aśvinā yajvarīriṣo dravatpāṇī śubhasa patī | purubhujā canasyatam ||

aśvinā purudaṃsasā narā śavīrayā dhiyā | dhiṣṇyā vanataṃ giraḥ ||

dasrā yuvākavaḥ sutā nāsatyā vṛktabarhiṣaḥ | ā yātaṃ rudravartanī ||

indrā yāhi citrabhāno sutā ime tvāyavaḥ | aṇvībhis tanā pūtāsaḥ ||

indrā yāhi dhiyeṣito viprajūtaḥ sutāvataḥ | upa brahmāṇi vāghataḥ ||

indrā yāhi tūtujāna upa brahmāṇi harivaḥ | sute dadhiṣva anaścanaḥ ||

omāsaś carṣaṇīdhṛto viśve devāsa ā gata | dāśvāṃso dāśuṣaḥ sutam ||

viśve devāso apturaḥ sutamā ganta tūrṇayaḥ | usrā iva svasarāṇi ||

viśve devāso asridha ehimāyāso adruhaḥ | medhaṃ juṣanta vahnayaḥ ||

pāvakā naḥ sarasvatī vājebhir vājinīvatī | yajñaṃ vaṣṭu dhiyāvasuḥ ||

codayitrī sūnṛtānāṃ cetantī sumatināṃ | yajñaṃ dadhe sarasvatī ||

maho arṇaḥ sarasvatī pra cetayati ketunā | dhiyo viśvā vi rājati ||

Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 3 Meaning in English

O Ashvins! You are givers of blessings in rituals, with skilled hands and charming presence. You are generous and dear to all.

O Ashvins, strong and wise, full of wondrous deeds – come and accept our hymns.

O youthful Nasatyas! You ride in mighty chariots, are wise and kind. Come here and enjoy the sacred offerings.

O Indra of brilliant light! These purified offerings of Soma are made for you – please come and partake.

O Indra! Guided by the prayers of sages and inspired minds, come to this Soma-pressed ritual. Accept our chants.

O Indra, rider of the bay steeds! Come to those who call you joyfully, and delight in this Soma prepared with devotion.

O gods, upholders of humanity, come together and receive the offering prepared by the worshipper.

O all-gods, swift and generous like the morning light – come quickly and enlighten this sacrifice.

O truthful, faultless gods, come and bless this sacred wisdom and sacrifice, shining like sacred flames.

O Sarasvati, pure and powerful, rich in strength – may you bless our sacrifice and grant us wisdom.

Sarasvati inspires truth, awakens good thoughts, and sustains the sacrifice with her divine power.

Mighty Sarasvati flows like a great river of knowledge, enlightening all our thoughts with divine brilliance.

Rig Veda Book 1 (Mandala 1) Hymn 3 Meaning in Hindi

अश्विना यज्वरीरिषो दरवत्पाणी शुभस पती। पुरुभुजा चनस्यतम॥
हे अश्विनीकुमारो! आप यज्ञ में इच्छित फल देने वाले, सुंदर हाथों वाले, सौभाग्य प्रदान करने वाले और सबको प्रिय हैं। आप अनेक प्रकार से सहायता करने वाले हैं।

अश्विना पुरुदंससा नरा शवीरया धिया। धिष्ण्या वनतं गिरः॥
हे वीर अश्विनों! आप अनेक चमत्कार करने वाले, बलशाली और दिव्य बुद्धि वाले हैं। कृपया हमारे स्तुतियों को स्वीकार करें।

दस्रा युवाकवः सुता नासत्या वर्क्तबर्हिषः। आ यातं रुद्रवर्तनी॥
हे नासत्य (अश्विनों)! आप युवा, चतुर, दयालु और उत्तम रथों वाले हैं। कृपया इस सोमरस युक्त यज्ञ में पधारें।

इन्द्रा याहि चित्रभानो सुता इमे तवायवः। अण्वीभिस्तना पूतासः॥
हे तेजस्वी इन्द्र! ये शुद्ध सोमरस तुम्हारे लिए तैयार किए गए हैं। कृपया आओ और इन्हें स्वीकार करो।

इन्द्रा याहि धियेषितो विप्रजूतः सुतावतः। उप ब्रह्माणि वाघतः॥
हे इन्द्र! ऋषियों की प्रार्थनाओं से प्रेरित होकर, भक्तों के यज्ञ में आओ और उनकी स्तुतियाँ स्वीकार करो।

इन्द्रा याहि तूतुजान उप ब्रह्माणि हरिवः। सुते दधिष्व अनश्चनः॥
हे हरिव (इन्द्र)! जो तुम्हें पुकार रहे हैं, उनके पास आओ, उनके गीतों को सुनो और सोमरस को धारण करो।

ओमासश्चर्षणीधृतो विश्वे देवास आ गत। दाश्वांसो दाशुषः सुतम्॥
हे देवगणो! जो मनुष्यों के रक्षक हैं, आप सभी इस यज्ञ में पधारें और भक्त द्वारा अर्पित सोमरस को स्वीकार करें।

विश्वे देवासो अप्तुरः सुतमा गन्त तूर्णयः। उस्रा इव स्वसराणि॥
हे विश्वदेवों! आप तेजस्वी और सहायता करने वाले हैं। कृपया शीघ्र आकर इस सोम को अपने तेज से प्रकाशित करें।

विश्वे देवासो अस्रिध एहिमायासो अद्रुहः। मेधं जुषन्त वह्नयः॥
हे निष्कपट, सत्यप्रिय विश्वदेवों! आप यज्ञ की मेधा (बुद्धि और बल) को स्वीकार करें और हमारे जीवन को उज्जवल करें।

पावका नः सरस्वती वाजेभिर्वाजिनीवती। यज्ञं वष्टु धियावसुः॥
हे पावन सरस्वती! आप ज्ञान और बल प्रदान करने वाली हैं। कृपया हमारे यज्ञ को सफल बनाएं और बुद्धि का वरदान दें।

चोदयित्री सूनृतानां चेतन्ती सुमतीनाम्। यज्ञं दधे सरस्वती॥
सरस्वती सत्य वाणी की प्रेरक हैं, शुभ बुद्धि देने वाली हैं। उन्होंने यज्ञ को स्थापित किया है, वही उसका पोषण करती हैं।

महो अर्णः सरस्वती प्र चेतयति केतुना। धियो विश्वा वि राजति॥
वह महान जलराशि स्वरूपा सरस्वती, हमें चेतना से भर देती हैं और हमारी सारी बुद्धियों में प्रकाश फैलाती हैं।